Total No. of Printed Pages – **4**

CCSME21 **808288**

PAPER / पत्र – II

PANCHPARGANIA LANGUAGE AND LITERATURE

पंचपरगनिया भाषा – साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 12

Full Marks : 150 **Time : 3 Hours**
पूर्णांक : 150 **समय : 3 घण्टे**

निर्देश :

(i) सउआल दुइ भागे बॉटल आहे । भाग "क" (A) मेहेन **4** टा सउआल (सउआल संइखा **1** ले **4**) आर भाग "ख" (B) मेहेन जमा **4** टा सउआल (सउआल संइखा **5** ले **8**) आहे ।

(ii) सउआल संइखा **1** आर सउआल संइखा **5**, सउब के लिखना जड़ुरि आहे ।

(iii) परिछारथि (परीक्षार्थी) के जामा **6** टा सउआलेक उत्तर लिखेक आहे, जेटाएँ दिअ भाग "क" (A) आर भाग "ख" (B) केर अनिबाइरज (अनिवार्य) सउआल संइखा केर अलादा **1** (एक टा सउआल) केर उत्तर लिखेक टा अनिबाइरज (अनिवार्य) हेके ।

(iv) अनिबाइरज (अनिवार्य) सउआल संइखा **1** आर **5** मेहेन देल **सात** सउआलेक मइधे **पाँच** सउआलेक जबाप लिखेइ हइ, जेकर **7** अंक निरधारित (निर्धारित) आहे ।

(v) सउआल संइखा – **1** आर **5** केर अलादा बाकि सउआलेक अंक **20** चाहे **10-10** अंक "क" आर "ख" माहने आहे ।

अंक

भाग "क" (A)

1. हेंठे देल मइधे कन' **पाँच** सउआलेक जबाप लिखा : **(5 × 7 = 35)**

(क) पंचपरगनिया भासागत बिसेसता के लिखा ।

(ख) पंचपरगनिया भासाक बेआकरनिक बिसेसता के लिखा ।

(ग) पंचपरगनिया सरब'नाम केर भेद के निमुद दे के बाचिक करा ।

(घ) पंचपरगनिया उपसरग आर परतए के निमुद दे के बाचिक करा ।

(ङ) पंचपरगनिया आर कुरमालि भासाए का तफाइत आहे ? लिखा ।

(च) पंचपरगनिया बिहा गिते करून रसेक बाखान करा ।

(छ) पंचपरगनिया लिंग भेद के निमुद दे के लिखा ।

Marks
अंक

2. पंचपरगनिया गइद साहितेक बिकास काथा के उजागर करा । **20**

चाहे

पंचपरगनिया ल'क गिते सिंगार रस केर बाचिक निमुद दे के लिखा ।

3. पंचपरगनिया पुरखउति कहनि केर सरूप के फरिचाए के लिखा । **20**

चाहे

पंचपरगनिया करम ल'क कहनि काथा के लिखा ।

4. (क) पंचपरगनिया मुहाबरा आर कहतुक काथा के निमुद दे के फरक करा । **10**

(ख) पंचपरगनिया पइद साहितेक बिकास जातरा केर बाचिक करा । **10**

भाग "ख" (B)

हेंठे देल मइधे कन' **पाँच** सउआलेक जबाप लिखा : **(5 × 7 = 35)**

5. (क) पंचपरगनिया पइद साहिते खंड काइब केर बाचिक करा ।

(ख) पंचपरगनिया बिहा गिते आंगनाइ गितेक बाखान करा ।

(ग) पंचपरगनिया कहनि साहिते संत'स साहु पिरतम केर जाएगा धारिज करा ।

(घ) पंचपरगनिया निबंध साहितेक समफला बिकास मेहेन आपन राए देउ ।

(ङ) पंचपरगनिया गइद साहिते राजकिसर चाहे जतिलाल महादानि केर लेखनिक बाखान करा ।

(च) हामरेक जिबने ल'क गितेक का महता आहे ? बरनिमा करा ।

(छ) पंचपरगनिया केर कन' एकटा बाल गित लिख कहन ताकर भाउअ (भाव) भंगिमा करा ।

6. पंचपरगनिया केर बिकास मेहेन बंगला भासा केर परभाउअ (प्रभाव) केर कारन के लिखा । **20**

चाहे

पंचपरगनिया भासा साहितेक बिकास काथा के फरिचाए के लिखा ।

Marks
अंक

7. हेंठे देल पइद अंस टा केर सपरसंग बेइखा करा : 10

(क) हाँठु भरि काढ़ा भाला, ठेहुना भरि पानि ह',
जते लागल बेरिआ डुबाइ रे ।
पएना के साराप हामके लागए
चलिजाबं इसर लालिस ह' ।।

(ख) पंचपरगनिया मेहेन पारमपारिक कला केर लेके एकटा लेख लिखा । 10

8. (क) हेंठे देल पइद अंस टा केर पंचपरगनिया मेहेन अनुवाद करा : 10

तुम्हें क्या करना चाहिए, इसका ठीक-ठीक उत्तर तुम्हीं को देना होगा, दूसरा कोई नहीं दे सकता । वह कितना भी विश्वास-पात्र मित्र क्यों न हो वह इस काम को अपने उपर नहीं ले सकता । हम अनुभवी लोगों की बातों को आदर के साथ सुनें, बुद्धिमानों की सलाह को कृतग्यतापूर्वक मानें, पर इस बात को निश्चित समझकर कि हमारे कामों से ही हमारे रक्षा व हमारा पतन होगा । हमें अपने विचार और निर्णय की स्वतंत्रता को दृढ़तापूर्वक बनाए रखना चाहिए । जिस पुरुष की दृष्टि सदा नीची रहती है उसका सिर कभी उपर न होगा । नीची दृष्टि रखने से यदपि रास्ते पर रहेंगे पर इस बात को न देखेंगे कि यह रास्ता कहाँ ले जाता है । चित्र की स्वतंत्रता का मतलब चेष्टा की कठोरता या प्रकृति की उग्रता नहीं है । अपने व्यवहार में कोमल रहो और अपने उद्देश्यों को उच्च रखो, इस प्रकार नम्र और उच्चाशय़ दोनों बनो । अपने मन को कभी मरा हुआ न रखो । जो मनुष्य अपना लक्ष्य जितना ही उपर रखता है उतना ही उसका तीर उपर जाता है ।

संसार में ऐसे-ऐसे दृढ़चित्त मनुष्य हो गए हैं जिन्होंने मरते दम तक सत्य की टेक नहीं छोड़ी अपनी आत्मा के विरुद्ध कोई काम नहीं किया । राजा हरिश्चन्द्र पर इतनी विपत्तियाँ आयीं पर उन्होंने अपना सत्य नहीं छोड़ा ।

(ख) हेंठे देल गइद अंस टा पइढ़ के पेंदाएं पुछल सउआलेक जबाप लिखा : 10

इटा एकटा जगजाहिर सत हेके कि भल, लग केर गुनेक विकास बेसि-ले बेसि कुपहरा मेहनेइ हएला । जिबन भइरे इटाक सत गटाइ भरति पुरति आहे । दुख आर पिड़ा भितरिआ धथर के निछड़ेक संगे-संगे एकटा एसन भितरिआ दिढ़' के जनम देला जेटा मानुस के तातात स'ना रकम चमकाए देला । पहाड़ रकम आफइत संग थुकड़ाएके अकर बल बाढ़ेला । रिदए मेंहेन एसन अचमभित गुन के जनम देला कि एक बार कसट' लेक भिड़ कहन फेइर उ अके खेइल बुझे लागेला । अकर रिदए आफइत के एक धार कइर के आपन नाउआ डहर बनाएके बिरतापेक गुन आए जाएला । मनेक रकम काम करले गात पाकठ' बनाएला । काम करले गात के बलिसट' बनाएला । आफइते पइड़ कहनउ दिढ़ हल गात टा आँट काम कइर कहन पाखना रकम बइन जाएला । लग कइह जाए आहएं, "मर उपर एतना कसट' हल परउ सेहा हुलका हए गेलक" तखन उ सत टा के जाने पाए रहे । चारितिक मजबुति केर तेहें जे कसट' बेसि करेला, पाकठ' गात केर तेहँउ उहे काम करेला । इ दुइअ टा एसन हाथेआर हेके, जे पिट-पिट कहन मन आट गात के लहाबनाए देला ।

Marks
अंक

सउआल –

(i) बिपरित परिसथिति केर कारन का हे के ?

(ii) मानुस के सना रकम बनाएक माहान क'न टा सहाइज हइ ?

(iii) आफइत कर समइए आपन डहर बनाएक खेमता कबे आएला ?